ज्ञान या चेतना के स्वरूप-संबंध में जे. एन. मोहंती द्वारा उठाए गए तीन प्रश्नों का उल्लेख कीजिए और उनका मूल्याँकन कीजिए।

OR / अथवा

According to Plato, what does Justice mean? How can it be realized in human society? Discuss.

प्लेटो के अनुसार न्याय का क्या अर्थ है? इसे मानव समाज में कैसे प्रयोगात्मक किया जा सकता है? चर्चा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5152 **H**

Unique Paper Code : 2102101201

Name of the Paper : Fundamentals of Philosophy

Name of the Course : **B.A. (H) Philosophy : DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt all **FOUR** questions; each question comes with an internal choice.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । हर एक प्रश्न का एक विकल्प दिया गया है ।

3. **सभी** प्रश्न समान अंक के हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Why does the Universe exist? Examine the answers given by Parfit to this question.

ब्रह्मांड क्यों मौजूद है? इस प्रश्न के लिए परफित द्वारा दिए गए उत्तरों की जाँच कीजिए।

OR / अथवा

'The form is indivisible' says Aristotle. Respond.

अरस्तू कहते हैं, 'रूप अविभाज्य है'। प्रतिक्रिया कीजिए ।

2. State and examine the arguments given by Hume to show that all our ideas are copies of our impressions.

ह्यूम द्वारा दिए गए तर्कों को प्रस्तुत करते हुए उनकी परीक्षा कीजिए कि हमारे सभी विचार अपने छापों की प्रतियां हैं ।

OR / अथवा

According to Kant, what is Time? Give reasons for your answer.

कांट के अनुसार समय क्या है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।

3. Examine the concepts of objectivity and truth as propounded by Davidson.

डेविडसन द्वारा प्रतिपादित वस्तुनिष्ठ और सत्य की अवधारणाओं का परीक्षण कीजिए ।

OR / अथवा

Evaluate the arguments advanced by Boghossian to show that beliefs and their justifications are not socially constructed.

बोगोसियन द्वारा दिए गए तर्कों का मूल्यांकन करके दर्शाइए कि धारणा और उनके औचित्य सामाजिक रूप से निर्मित नहीं हैं ।

4. State and evaluate the three questions raised by J.N. Mohanty with regard to the nature of jnana or consciousness.